१६ जुलाई २०२३ – जैनशाळा पेपर - गुण : १०० - समय : ३ से ६

श्रेणी- ६

प्र.१

(अ) पाठ पूर्ति करो। **(१०)**

(१) समकित सहित ....., ..., ... शुभध्यान

(२) जावंति ....., ..., ... पडिग्गहधरा

(३) ईन्थी कहाअे ....., ..., ... झाणेहिं

(४) ईमं शरीरं ....., ..., ... मणामं

(५) सिंघाणेंसुवां ....., ..., ... सुक्केसु वा

(ब) आकडामां जवाब लखो। **(०५)**

(१) परमाधामी
(२) ज्ञानना अतिचार
(३) साधुना गुणो
(४) संमूर्च्छिम मनुष्य
(५) सीलांग रहधरा
(६) संज्ञा
(७) काउसग्गना आगार
(८) बे घडी नी मिनिट
(९) कर्मभूमि
(१०) विराधना

(क) नीचेनां जवाब गुजरातीमां लखो। **(०५)**

(१) सोवणवत्तियाअे
(२) अपरिसुध्धं
(३) अईरते
(४) साडीकम्मे
(५) पेयाला

(ड) जोडकां जोडो। **(०५)**

(१)	अणाभोग मिथ्यात्व	(१)	खोटुं आळ चलाववुं
(२)	अभ्याख्यान	(२)	वीर्य (शुक्र) मां उपजे ते
(३)	सुक्केसुवा	(३)	जेमां बिलकुल जाणपणुं नथी
(४)	सदाणुवाओ	(४)	साद करीने मर्यादा बहारथी कोईने बोलावे
(५)	शंका	(५)	जैन धर्मने विशे शंका करी होय.

(इ) अेकज शब्दमां जवाब लखो। **(०५)**

(१) शंका थाय तो प्रश्न करे ते

(२) देवता वगेरेने माटे पूजा अर्थे तैयार करेलुं भोजनने शुं कहेवाय?

(३) पोतानुं वस्तुनी रक्षा माटे चोर वगेरेथी डरवुं ते कयो भय?

(४) नारकी नो जन्म शेमां?

(५) १८ पापमांथी मनथी केटला पाप थाय छे?

(६) सौथी मोटुं पाप कयुं छे?

(७) परमगति के सद्गतिना रीझवेशननो पाठ कयो?

(८) टूंकामां टूंका आयुष्यवाळो माणस कोण छे?

(९) समकितनी हाजरीमां थतुं ज्ञानीनुं मरण ते?

(१०) अप्राप्त वस्तुनी ईच्छा, प्राप्त वस्तु छोडवाना भाव करावे ते शुं?

प्र.२) आगार धर्मनुं स्वरुप अने दुर्लभता. **(०३)**

(अ) खाली जग्य पूरो।

(१) देहना दर्शन करावे, ... आत्माना दर्शन करावे..... अरिसो.

(२) अनंत मिथ्यात्वी जीवोनी सामे अेक जीव ..... छे.

(ब) जोडकां जोडो। **(०५)**

(१)	कामदेव श्रावक	(१)	५ मुं
(२)	तुंगीया नगरी	(२)	८४ X ८४ लाख वर्ष
(३)	उत्तराध्ययन सूत्र	(३)	जावजजीव सुधी
(४)	निषिध कुमार	(४)	२१
(५)	सुख विपाक सूत्र	(५)	द्वादशांगीनी रचना
(६)	गणधरो	(६)	सुबाहु कुमार
(७)	श्रावक धर्मनी आराधना	(७)	वह्नि दशा सूत्र
(८)	श्रावकनां गुण	(८)	अंतिम देशना
(९)	अेक करोड पूर्व वर्ष	(९)	शंख अने मंडूक श्रावक
(१०)	श्रावकनुं गुणस्थानक	(१०)	उपासक दशांग सूत्र

प्र.३) नव तत्व

(अ) मात्र आंकडामां जवाब लखो। **(१०)**

(१) केटला भेदे सिध्ध थाय ?

(२) नाम कर्मनी जधन्य स्थिति केटला मुंहूर्त नी छे ?

(३) आयुष्य कर्मनी उत्कृष्ट स्थिति केटला सागरनी छे ?

(४) आभ्यंतर तपनां भेद केटला छे ?

(५) संवर तत्वना विशेष भेद केटला छे ?

(६) रुपी अजीव ना भेद केटला ?

(७) विकलेन्द्रियना भेद केटला ?

(८) पहेली नरकनो पिंड केटला योजननो छे ?

(९) सातमी नरकमां केटला नरकवास छे ?

(१०) परिषह केटला छे ?

(ब) अयोग्यने गोळ (Circle) करो. (०५)

(१)	सुभदे	(२)	सुजाअे	(३)	सूर्य	(४)	सुमाणसे
(२)	जलचर	(२)	उरपर	(३)	खेचर	(४)	अप्काय
(३)	असुरकुमार	(२)	नागकुमार	(३)	वायुकुमार	(४)	सनतकुमार
(४)	वट्ट	(२)	त्रस	(३)	चउरंस	(४)	भारे
(५)	निद्रा	(२)	प्रचला	(३)	प्रचला प्रचला	(४)	औदारिक
(६)	अशुचि	(२)	अज्जवे	(३)	लाघवे	(४)	तवे
(७)	ध्यान	(२)	अनशन	(३)	कायाकलेश	(४)	उणोदरी
(८)	नाम	(२)	अनुभाग	(३)	आयुष्य	(४)	अंतराय
(९)	अजीवतत्व	(२)	अरुपी तत्व	(३)	बंधतत्व	(४)	संवरतत्व
(१०)	सामायिक	(२)	छेदोपस्थापनीय	(३)	सूक्ष्मसंपराय	(४)	समकित

प्र.३

(क) व्याख्या लखो। (Any -5) (०५)

(१)	यशोकीर्ति नाम	(२)	लयणपुन्ने	(३)	वाणव्यंतर देव
(४)	पाथडा	(५)	नरक	(६)	परमाधामी
(७)	दानांतराय	(८)	स्थावर	(९)	बंभचेरवासे

(ड) खोटुं छे के साचुं, खोटाने सुधारीने लखो। (०५)

(१) प्रदेशोना समूहने वनस्पतिकाय कहे छे ?

(२) पांच इंन्द्रिय तथा मन द्वारा वस्तु नुं जे ज्ञान थाय ते अवधिज्ञान छे.

(३) प्रकाश करनारा देवो ने ज्योतिषी देवो कहेवाय छे.

(४) आरंभजन्य कार्यो घणां जण साथे मळीने करतां लागे ते सामुदाणिया क्रिया कहे छे.

(५) मोहनीय कर्म बेडी समान छे.

इ) नीचेना प्रश्नोनां जवाब लखो। (०९)

(१) तमस्प्रभामां शुं छे ?

(२) आंतरा अेटले शुं ?

(३) अकर्मभूमि अेटले शुं ?

(४) कया कारणे जीव मोक्षे जाय ?

(५) जीवे कयुं लक्ष केळववुं जोईअे ?

(६) ज्ञान, दर्शन अे मारो स्वभाव छे अेम जाणीने समता धर्मनी आराधना करवी अे कयुं तत्व छे ?

(७) कर्मबंधनां कारणभूत पच्चीस क्रियाओने जाणी बचवा जागृत बनवुं अे कयुं तत्व छे ?

(८) धर्मकार्यमां शक्ति गोपववी नहि ते कयुं तत्व ?

(९) क्रोध ने जीतवा कयुं सूत्र अपनाववुं ?

प्र.४) ३२ आगम ना आधारे

(अ) खाली जग्या पूरो. **(०३)**

(१) ..... नो स्वाध्याय असज्झाय टाळीने आठे प्रहर करी शकाय.

(२) ११ अंगसूत्रना रचयिता ..... छे.

(३) ..... आत्मानी गम अर्थात् समजण आपे छे.

(ब) नीचेना प्रश्नोनां जबाब लखो. (Any -5)

(१) सौथी मोटुं आगम कयुं छे ? ते कालिक छे के उत्कालिक ?

(२) मारी अंदर दश श्रावकोनुं वर्णन आवे छे ?

(३) मारी अंदर फक्त अेक ज जीवनो अधिकार आवे छे ?

(४) ४ मूळ सूत्रमां केटलां सूत्र कालिक छे तेनुं नाम लखो ?

(५) उपांग सूत्रमांथी कोईपण बे कालिक सूत्रनां नाम लखो ?

(६) नोकालिक नो उत्कालिक सूत्र अे कयुं आगम छे ?

प्र.५) कथा ना आधारे

(अ) कोण कोने कहे छे. **(०३)**

(१) "हे मेघ! शुभ कार्यमां विलंब न करो."

(२) "काले सवारे भगवानना दर्शन करवा जवा माटे जोरशोरथी अने सुंदर रीते तैयारीओ करवामां आवे."

(३) "हुं तमारा पुत्रने जोवा आव्यो छुं ?"

(ब) नीचेनां प्रश्नो ना जवाब लखो. **(०३)**

(१) मेरुप्रभ हाथीने कयुं ज्ञान थयुं ? ते केटला हाथीओना युथपति बन्यो ?

(२) मृगापुत्रनो अधिकार कया आगममां आवे छे ?

(३) दशार्णभद्र राजाना मननुं अभिमान कोणे तोडयुं ?

(क) जोडका जोडो। **(०४)**

(१)	मेघकुमार	(१)	महावीर स्वामी
(२)	दावानळ	(२)	ससलांनी दया
(३)	विजय राजा	(३)	अभयकुमार
(४)	दारकने	(४)	१६ महारोग
(५)	इक्काइ राठोड	(५)	भस्मक रोग
(६)	बुध्धिशाळी	(६)	मृगावती राणी
(७)	मेरुप्रभ	(७)	जंगलमां आग
(८)	गौतमस्वामी	(८)	ज्ञाताधर्म कथा

प्र.६) काव्य विभाग (१०)

(१) भक्तामर ..... वितान्म।।

(२) सोहं ..... रपि प्रवृतः।

(३) धन्नानी ..... गया भगवंत।

(४) चेडानी पुत्री ..... सुविनित

(५) श्रेणिकना ..... देहनो कस